शिक्षकों की समस्याओं का होगा समाधान : दिनेश शर्मा

महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से हुई शिक्षक संगोष्ठी

■ एनबीटी, लखनऊ

उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने भरोसा दिलाया है कि शिक्षकों के खाली पदों को जल्द ही भरा जाएगा। शिक्षा विभाग में फैले भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई होगी। यही नहीं, शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं का बातचीत के जरिए समाधान किया जाएगा। डॉ. शर्मा महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से आयोजित शिक्षक संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

नकलविहीन परीक्षा में रोड़ा बनने पर कार्रवाई

डॉ. शर्मा ने कहा कि छह फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड परीक्षा नकलविहीन ही होगी। इस मुहिम को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। परीक्षा के लिए तैयारियां जोरों पर हैं, सेंटरों को निर्देश दे दिए गए हैं कि परिषद के निर्धारित मानकों को जरूर से पूरा कर लें, वरना कार्रवाई तय है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की तरक्की के पीछे शिक्षकों का बड़ा योगदान होता है। इसलिए शिक्षकों की जायज मांगों को जरूर से पूरा करवाया जाएगा। संसदीय और नगर विकास मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार को फिक्र है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक चौधरी उदयभान सिंह, साकेंद्र वर्मा और ब्रजेश रावत के अलावा एमएलसी अरुण पाठक, उमेश द्विवेदी और संजय मिश्रा भी मौजूद रहे। संघ के अध्यक्ष अमरनाथ वर्मा और जिम्मेदारों के अलावा संघ के सभी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

NBT

शिक्षक संगोष्ठी में उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा के साथ सुरेश खन्ना ने भी संबोधित किया।

संघ ने उपमुख्यमंत्री के सामने रखीं ये मांगें

कार्यक्रम के दौरान संघ की ओर से डिप्टी सीएम के सामने कई मांगें रखी गईं। संघ ने मांग की कि शिक्षा विभाग में शिक्षकों के होने वाले उत्पीड़न पर अंकुश लगे, दो लाख से अधिक वित्तविहीन विद्यालयों में सेवारत शिक्षकों को एक समान वेतन दिया जाए, कंप्यूटर और व्यवसायिक शिक्षकों के खाली पदों पर नियुक्तियां हों, सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 60 फीसदी खाली पड़े पदों को भरा जाए। संघ का आरोप था कि चिकित्सा सुविधा की मांग की सरकार की तरफ से अनदेखी होती है। वर्ष 2005 के बाद नियुक्त शिक्षकों को पेंशन से वंचित कर दिया गया और राष्ट्रीय पेंशन योजना के नाम से निजी क्षेत्र और कारपोरेट जगत के हवाले करके पाखंड किया जा रहा है।